पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

Established: 2004

'B++' AcCredit-ed by NAAC (2022) with CGPA 2.96

New Syllabus For

Master of Arts (M. A. in Hindi)

UNDER

Faculty of Humanities

M. A. Part – I (Sem. – I & II)

From 2026-27

STRUCTURE AND SYLLABUS IN ACCORDANCE WITH

NATIONAL EDUCATIO POLICY – 2020

HAVING CHOICE BASED CREDIT- SYSTEM

WITH MULTIPLE ENTRY AND MULTIPLE EXIT OPTIONS

(TO BE IMPLEMENTED FORM ACADEMIC YEAR 2026-27 ONWARDS)

M. A. – I Year Hindi Semester – I

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र - प्रथम

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy – 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

शै. वर्ष 2026-27 से

Level	Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			Credit	Lecture	Total Com. Credits	Degree
				Theory		Total				
				U.A.	C.A.					
	SEM-1									
	Subject		Major **Mandatory**				4.00	60		
	DSC	1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	60	40	100	4.00	60		
	DSC	2	भाषा विज्ञान	60	40	100	4.00	60		
	DSC	3	प्रयोजनमूलक हिंदी	60	40	100	4.00	60		
1.0	DSC	4	अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया	30	20	50	2.00	30	22.00	PG Diploma (After 3 Yr Degree)
	DSE		Mandatory Elective(Any One)				4.00	60		
		1.1	पत्रकारिता	60	40	100	4.00	60		
		1.2	कबीर	60	40	100	4.00	60		
	RM (Research Mythology)	1.0	अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया	60	40	100	4.00	60		

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSC 1** **Course Code:** M0226-DSC-11 **Course Name: Hindi** **Title of Paper:आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (उपन्यास और कहानी)**

*Teaching Scheme		*Examination Scheme
Lectures: 60 Hours,04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2026	UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य में उपन्यास और कहानी विधाएँ समाज, संस्कृति और व्यक्ति की जटिलताओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम रही हैं। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध और इक्कीसवीं सदी में हिंदी कथा साहित्य ने मध्यवर्गीय जीवन, अस्तित्वबोध, सामाजिक विषमताओं तथा मानवीय संवेदनाओं को गहराई से प्रस्तुत किया है।

विनोद कुमार शुक्ल का उपन्यास **दीवार में एक खिड़की रहती थी** हिंदी के प्रयोगधर्मी उपन्यासों में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसमें साधारण जीवन के भीतर छिपे स्वप्न, कल्पना और संवेदनाओं की अत्यंत सूक्ष्म अभिव्यक्ति दिखाई देती है।

इसी प्रकार **हिंदी कालजयी कहानियाँ** हिंदी कहानी की श्रेष्ठ परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें हिंदी के विभिन्न कालों के प्रमुख कथाकारों की प्रतिनिधि कहानियाँ संकलित हैं, जो कथा साहित्य के विकास और विविध प्रवृत्तियों को समझने में सहायक हैं।इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों को आधुनिक हिंदी कथा साहित्य की विषयवस्तु, शिल्प, भाषा और सामाजिक संदर्भों का गहन अध्ययन कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी उपन्यास और कहानी के शिल्प, कथन शैली और भाषा का अध्ययन कराना।
3. कथा साहित्य में सामाजिक यथार्थ और मानवीय संवेदनाओं को समझाना।
4. छात्रों में आलोचनात्मक और विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित करना।
5. हिंदी कथा साहित्य की ऐतिहासिक और समकालीन प्रासंगिकता को स्पष्ट करना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. **दीवार में एक खिड़की रहती थी** के कथानक, पात्र और शिल्प का आलोचनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

3. **हिंदी कालजयी कहानियाँ** में संकलित कहानियों की साहित्यिक और सामाजिक महत्ता को समझ सकेंगे।
4. कथा साहित्य के माध्यम से समाज, संस्कृति और व्यक्ति के संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. साहित्यिक कृतियों की आलोचनात्मक समीक्षा करने में सक्षम होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुट चर्चा ।
3. दृक्-श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

M. A. - I Hindi Semester – I

एम्. ए. भाग – 1 हिंदी सत्र - प्रथम

DSC-1 Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम: आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (उपन्यास और कहानी)

(Credit- -Theory - 4 Practical - 0)

Total Theory Lecture: - 60

पाठयपुस्तकें:-

1. उपन्यास – दीवार में एक खिड़की रहती थी – लेखक: विनोद कुमार शुक्ल वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. कहानी संग्रह – हिंदी कालजयी कहानियाँ – संपादक: रेखा सेठी, वाणी प्रकाशान, नई दिल्ली.

अध्ययनार्थ विषय:-

इकाई – I दीवार में एक खिड़की रहती थी Credit- 1 Lectures 15

1. हिंदी उपन्यास की उत्पत्ति और विकास
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
3. विनोद कुमार शुक्ल का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
4. उपन्यास की कथावस्तु और संरचना
5. प्रमुख पात्र और चरित्र चित्रण

इकाई – II दीवार में एक खिड़की रहती थी Credit- 1 Lectures 15

1. उपन्यास के संवाद
2. देशकाल, काल वातावरण
3. उद्देश्य
4. भाषा, शैली और शिल्प
5. दीवार में एक खिड़की रहती थी में मध्यवर्गीय जीवन और स्वप्नशीलता

6. दीवार में एक खिड़की रहती थी उपन्यास की प्रासंगिकता

इकाई – III **हिंदी कालजयी कहानियाँ** Credit- 1 Lectures 15

1. हिंदी कहानी की उत्पत्ति और विकास .
2. आधुनिक हिंदी कहानी साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ
3. प्रेमचंद -कफ़न
4. यशपाल – आदमी का बच्चा
5. जैनेंद्र – अपना अपना भाग्य

इकाई – IV **हिंदी कालजयी कहानियाँ** Credit- 1 Lectures 15

1. मन्नू भंडारी –अकेली
2. उषा प्रियंवदा –वापसी
3. अमरकांत –दोपहर का भोजन
4. भीष्म साहनी – चीफ की दावत
5. ममता कालिया –उमस
6. उदय प्रकाश – अपराध

संदर्भ ग्रंथ –

1. गोपाल राय — *हिंदी उपन्यास का इतिहास* — राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. नामवर सिंह — *कहानी: नई कहानी* — राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रामविलास शर्मा — *हिंदी साहित्य और समाज* ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. विश्वनाथ त्रिपाठी — *हिंदी आलोचना* — वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मधुरेश — *हिंदी कहानी का विकास* — लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन –

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	–	12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	–	12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	–	12 अंक
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	–	12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	–	12 अंक
		60 अंक

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper DSC-1 Sem - I	Name of the New Paper NEP 2020 DSC-1 Sem - I
1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (उपन्यास और कहानी)

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSC- 2** **Course Code:M0226-DSC-12** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: भाषा विज्ञान**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना/ Introduction

भाषा विज्ञान वह शास्त्र है जिसमें भाषा की उत्पत्ति, संरचना, विकास तथा उसके प्रयोग का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। भाषा मनुष्य के विचारों, भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करने का प्रमुख माध्यम है। भाषा विज्ञान के अंतर्गत ध्वनि, शब्द, वाक्य, अर्थ तथा भाषा के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्षों का अध्ययन किया जाता है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषा की वैज्ञानिक प्रकृति, उसकी संरचना और समाज में उसकी भूमिका को समझने का अवसर मिलता है। साथ ही भाषा के विभिन्न स्तरों—ध्वन्यात्मक, रूपात्मक, वाक्यात्मक और अर्थगत—का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होती है।

2. पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Objectives)

1. विद्यार्थियों को भाषा विज्ञान की मूल अवधारणाओं और सिद्धांतों से परिचित कराना।
2. भाषा की संरचना (ध्वनि, शब्द, वाक्य और अर्थ) का वैज्ञानिक अध्ययन समझाना।
3. भाषा और समाज के संबंध तथा भाषिक विविधता के महत्व को स्पष्ट करना।
4. विद्यार्थियों में भाषा विश्लेषण की आलोचनात्मक एवं अनुसंधानात्मक क्षमता विकसित करना।

3. पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भाषा विज्ञान की प्रमुख संकल्पनाओं और सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
2. भाषा के विभिन्न स्तरों (ध्वनि, रूप, वाक्य, अर्थ) का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
3. भाषा और समाज के संबंध तथा भाषिक परिवर्तन की प्रक्रिया को पहचान सकेंगे।

4. भाषाई तथ्यों का अध्ययन कर शोध-आधारित निष्कर्ष प्रस्तुत कर सकेंगे।

4.शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा
3. भाषा लैब में प्रात्यक्षिक
4. ऑडियो-विजुअल साधनों का उपयोग) Use of Audio-Visual Aids)

M. A. - I Hindi Semester - I

एम. ए. भाग - 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSC - 2 Paper Name: - Bhasha Vidnyan

प्रश्नपत्र का नाम: भाषा विज्ञान

(Credit- Theory – 4, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 60

अध्ययनार्थ विषय:-

इकाई – I भाषा विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा-व्यवस्था और भाषा- व्यवहार
2. भाषा विज्ञान: परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति
3. अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक
4. स्वन-विज्ञान, स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की परिभाषा, स्वर एवं व्यंजनो का वर्गीकरण (स्वनों का वर्गीकरण)

इकाई – II रूप विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. रूप विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, शब्द और पद
2. रूपिम की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ
3. रूपिम के भेद (अ) संरचना की दृष्टि से- मुक्त, आबध्द, संपृक्त
   (आ) अर्थ की दृष्टि से- अर्थदर्शी और संबंधदर्शी

इकाई – III वाक्य विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप
2. वाक्य रचना के आधार
3. वाक्य के भेद

इकाई – IV अर्थ विज्ञान **Credit--1 Lecture 15**

1. अर्थ विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप
2. अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन-भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार
3. अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
4. अर्थ परिवर्तन के कारण

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न- 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

प्रश्न- 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4) 12 अंक

प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2) 12 अंक

प्रश्न - 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ 12 अंक

प्रश्न - 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

कुल अंक- 60

संदर्भ ग्रंथ:-

1. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल,इलाहाबाद

2. भाषा विज्ञान - डॉ. नेमीचंद श्रीमाल, श्रुति प्रकाशन,कानपुर

3. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत -डॉ रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. अद्यतन भाषा विज्ञान- डॉ शशिभूषण पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. भाषा विज्ञान - डॉ.अंबादास देशमुख, आरती प्रकाशन, औरंगाबाद

6. भाषा विज्ञान परिभाषा कोश, शब्दावली आयोग, नई दिल्ली

7. भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा तथा देवनागरी लिपि - डॉ. मंजू, डॉ. राजेश कुमार, भोलेनाथ यादव प्रकाशक, ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ।

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper DSC-2 Sem - I	Name of the New Paper NEP 2020 DC-2 Sem - I
1	भाषा विज्ञान	भाषा विज्ञान

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSC- 3** **Course Code:M0226-DSC-13** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: प्रयोजनमूलक हिंदी**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction –

प्रयोजनमूलक हिंदी को कामकाजी हिंदी भी कहते हैं । इसका उपयोग सरकारी कार्यालयों में कामकाज के लिए होता है । हिंदी साहित्य संस्कृति, विज्ञान – तकनीकी, उद्योग – प्रौद्योगिकी, व्यापार – वाणिज्य, शासन – प्रशासन, विधि एवं सामाजिक विज्ञानो के अध्ययन की दिशा में अपनी प्रयोजनमूलकता सिद्ध कर चुकी है । भारत में राजभाषा के रुप में हिंदी भाषा को स्थान दिया गया है । केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी भाषा में कामकाज करने का प्रावधान है । अत: मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, तथा कामकाजी हिंदी एवं उसके लिए प्रयुक्त पारिभाषिक स्थिति का अध्ययन करना आवश्यक है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. छात्रों को कामकाजी हिंदी से परिचित कराना ।
2. छात्रों को भाषा के विभिन्न रुपों से परिचित कराना ।
3. छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना ।
4. कार्यालय हिंदी का व्यवहार ज्ञान देना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र कामकाजी हिंदी से परिचित होंगे ।

2. छात्र हिंदी भाषा के विभिन्न रुपों से परिचित होंगे ।

3. छात्र केंद्र एवं राज्य सरकार के कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी से अवगत होंगे ।

4. छात्र पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे ।

शिक्षा अधिगत प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कथा व्याख्यान

2. सामूहिक चर्चा

3. सेमिनार

Name of the course M.A. I Hindi Semester – I

एम.ए.भाग – 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSC – 3 Paper Name – Prayojanmulak Hindi

प्रश्नपत्र का नाम – प्रयोजनमूलक हिंदी

(Credit Theory – 4, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 60

अध्ययनार्थ विषय :-

इकाई I प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रविधि Credit – 1,Lecture – 15

1. प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप

2. प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकताएँ

3. प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ

4. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रुप

इकाई II कार्यालयी हिंदी के प्रयोग क्षेत्र Credit – 1,Lecture – 15

1. टिप्पणी लेखन

2. संक्षेपण

3. प्रारुपण / मसौदा लेखन

4. प्रतिवेदन लेखन

5. कार्यवृत्त लेखन

इकाई – III प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग क्षेत्र Credit – 1,Lecture – 15

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग क्षेत्र

2. प्रयोजनमूलक हिंदी का शैक्षिक संदर्भ और उद्देश्य

3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सीमा और संभावनाएँ

4. प्रयोजनमूलक हिंदी बनाम रोजगारोन्मुख हिंदी

इकाई – IV पारिभाषिक शब्दावली Credit – 1,Lecture – 15

1. पारिभाषिक शब्दावली : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप

2. पारिभाषिक शब्दावली शब्द के रुप / प्रकार

3. पारिभाषिक शब्दावली के गुण तथा शब्द निर्माण की प्रवृत्तियाँ

4. पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएँ

5. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

---

60 अंक

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper DSC-3 Sem - I	Name of the New Paper NEP 2020 DSC-3 Sem - I
1	प्रयोजनमूलक हिंदी	प्रयोजनमूलक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ –

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – सं.डॉ.रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
3. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम – डॉ.अंबादास देशमुख,शैलजा प्रकाशन, कानपुर
4. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कामकाजी हिंदी – डॉ.कैलाशचंद्र भाटिया,तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रारुपण, टिप्पण, प्रूफ पठन – डॉ.भोलानाथ तिवारी,डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. वैश्वीकरण एवं हिंदी का रोजागारोन्मुख परिदृश्य – डॉ.भाऊसाहेब नवले, निशा पब्लिकेशन, कानपुर (उ.प्र)
8. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ.लक्ष्मीकांत पांडेय, डॉ.प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSC- 4** **Course Code: M0226-DSC-14** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया**

***Teaching Scheme** **Lectures: 30 Hours,02 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from** **June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना/ Introduction:-

विश्व के विचारों को एक धागे में पिरोने का कार्य अनुवाद ने किया है। दुनिया के एक कोने का ज्ञान दूसरे कोने तक पहुँचाने का कार्य अनुवाद के कारण ही हुआ है । इसलिए अनुवाद का महत्त्व बढ़ता जा रहा है । विश्व में कोई भी विचार, तकनिकी आवश्यकता निर्माण हो जाती है तो वह व्यक्ति उसको अन्य भाषिकों तक अनुवाद के माध्यम से पहुंचाता है । इसलिए अनुवाद क्षेत्र विस्तार को देखते हुए उसमें रोजगार की संभावनाएँ कई गुना बढ़ गई है । इसलिए अनुवाद के विषय में छात्रों को जानना आवश्यक हो गया है । इसे केंद्र में रखते हुए यह पाठ्यक्रम रखा है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective:-

1. छात्रों को अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित कराना।
2. छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद की जानकारी प्राप्त कराना।
3. छात्रों को अनुवाद की सामाजिक उपादेयता की जानकारी देना ।
4. छात्रों को अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार से परिचित कराना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes:-

1. छात्र अनुवाद के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होंगे ।
2. छात्र विभिन्न क्षेत्रों में किये जानेवाले अनुवाद से अवगत होंगे ।
3. छात्र अनुवाद की सामाजिक उपादेयता से अवगत होंगे ।
4. छात्र अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process:-

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course:M. A. - I Hindi Semester - I

एम. ए. भाग - 1 हिंदी प्रथम सत्र

DSC-4 Paper Name: - Anuwad: Pravidhi Aur Prakirya

प्रश्नपत्र का नाम: अनुवाद : प्रविधि और प्रक्रिया

(Credit- Theory – 2, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 30

अध्यनार्थ विषय:-

इकाई - I **Credit--1 Lecture 15**

1. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. अनुवाद : पाश्च्यात्य और भारतीय परंपरा
3. अनुवाद का महत्त्व और प्रासंगिकता
4. अनुवादः प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ

इकाई - II **Credit--1 Lecture 15**

1. अनुवाद : स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना
2. अनुवाद: समस्याएँ और समाधान - भाषाई समस्याएँ, सांस्कृतिक समस्याएँ, शैलीगत समस्याएँ, संदर्भ और अर्थ की सटीकता
3. **अनुवाद कार्य: (मराठी, अंग्रेजी भाषा से हिंदी में और हिंदी से मराठी या अंग्रेजी में)**
   1. अनुवाद कार्य: कहानी, निबंध, नाट्य अंश , लेख का अनुवाद करना
   2. अनुवाद कार्य: कविता

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6 अंक)
2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(6 अंक)
3. टिप्पणी लिखिए (2 में से 1) (अनुवाद कार्य के लिए परिच्छेद)	(6 अंक)
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12 अंक)

संदर्भ ग्रंथ **अंक -३०**

1. अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग- जी. गोपिनाथन, लोकभारती प्रकाशन, मई दिल्ली
2. अनुवाद के भाषिक पक्ष- विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा-डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका-कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper DSC-4 SEM-I	Name of the New Paper SEM-I DSC-4
1	जनसंचार माध्यम	अनुवाद: प्रविधि और प्रक्रिया

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSE-1.1** **Course Code: M0226-DSE-1A** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: पत्रकारिता**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना Introduction:-

पत्रकारिता आधुनिक समाज की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली विधा है, जिसे लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ कहा जाता है। यह न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि समाज में जागरूकता, विचार-विमर्श और जनमत निर्माण का सशक्त उपकरण भी है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्य, निष्पक्ष और त्वरित सूचना जनता तक पहुँचाना है, ताकि नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रह सकें।

पत्रकारिता का स्वरूप समय के साथ निरंतर विकसित हुआ है। प्रारंभ में यह केवल मुद्रित समाचारपत्रों तक सीमित थी, लेकिन आज यह इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यमों के माध्यम से व्यापक रूप धारण कर चुकी है। वर्तमान युग में टेलीविजन, रेडियो, इंटरनेट, सोशल मीडिया आदि ने पत्रकारिता को अधिक गतिशील, त्वरित और व्यापक बना दिया है। डिजिटल क्रांति के कारण सूचना का प्रसार अब कुछ ही क्षणों में विश्व के किसी भी कोने तक संभव हो गया है। इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता के विभिन्न अंगों पर चर्चा की जाएगी। जिसमें उसका स्वरूप एवं महत्व के साथ-साथ पत्रकारिता के तत्वों एवं उसकी भाषा का अध्ययन किया जायगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1) पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार और महत्व को समझाना ।
2) पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
3) पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से अवगत कराना।
4) पत्रकारिता की भाषा से परिचित होना।
5) संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्व से छात्र परिचित होंगे।
2. पत्रकारिता के उद्‌भव और विकास से अवगत होंगे।
3. पत्रकारिता के मूल तत्त्वों से परिचित होंगे।
4. पत्रकारिता की भाषा से परिचित होंगे।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. समूह चर्चा

Course Name: M.A.I Hindi

एम.ए. भाग – 1 हिंदी प्रथम सत्र

Vertical: DSE-1.1 Course Code:
Title of Paper: PATRKARITA

प्रश्नपत्र का नाम - पत्रकारिता

Lectures: 60 Hours, 04 Credits
Total Theory Lecture - 60

अध्ययनार्थ विषयः- **Weightage / बल**

इकाई । पत्रकारिता स्वरूप और विकास Credit-1 Lecture 15 Marks - 15

1. पत्रकारिता परिभाषा, स्वरुप और प्रकार
2. भारत में पत्रकारिता का आरंभ
3. हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास

इकाई II संवाददाता और समाचार Credit-1 Lecture 15 Marks - 15

1. संवाददाता की अर्हता
2. श्रेणी और कार्य पध्दति
3. समाचार के विविध स्रोत

इकाई III समाचार के तत्त्व एवं संपादन कला Credit-1 Lecture 15 Marks - 15

1. समाचार पत्र कारिता के मूल तत्त्व
2. समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम

3. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचारपत्र की प्रस्तुत प्रक्रिया

इकाई - IV पत्रकारिताः सृजनात्मक आयाम Credit-1 Lecture 15 Marks - 15

1. पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, फीचर और रिपोर्ताज
2. खोजी समाचार, साक्षात्कार और अनुवर्तन की प्रविधि
3. समाचार पत्रों में विभिन्न स्तंभो की योजना

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न- 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक
प्रश्न - 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4) 12 अंक
प्रश्न - 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2) 12 अंक
प्रश्न - 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ 12 अंक
प्रश्न - 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

कुल अंक- 60

संदर्भ ग्रंथ-

1. पत्रकारिता के नए आयाम एस .के.पाठक, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता संवाद और विमर्श कैलाशनाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3. पत्रकारिता का विकास एन.सी.पी .पंत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता मीरा रानी पाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला – हरिमोहन
9. पत्रकारिताः परिवेश एवं प्रवृत्तियां,पाण्डेय, डॉ .पृथ्वीनाथ, (2004), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper DSE-1.2 SEM-I	Name of the New Paper SEM-I DSE-1.1
1	पत्रकारिता	पत्रकारिता

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSE-1.2** **Course Code: M0226-DSE-1A** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: कबीर**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from** **June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना/ Introduction

साहित्यकार युग से प्रभावित होता है और अपने युग को प्रभावित भी करता है। भक्ति आंदोलन समय की कोख से निकला भक्ति का अविरत स्त्रोत है। वर्तमान में भी वह वह प्रासंगिकता है। कबीर भक्ति आंदोलन से उपजे विद्रोही व्यक्तित्व है, जिन्होंने समाज को हमेशा विकास का रास्ता दिखाया है। उन्होंने रुढी- प्रथा, पाखंड, अंधविश्वास का विरोध करते है । ईश्वर की साधना का नया मार्ग उन्होंने अपने समय के समाज को दिखाया। प्रस्तुत दोहे एवं पदो के माध्यम से इसी का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य /Course objective

1. कबीर के विचारों से अवगत कराना।
2. कबीर के दोहों की प्रासंगिकता से परिचित कराना।
3. कबीर के पदों को समझाना।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझाना।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम / Course Learning Outcomes

1. कबीर के विचारों से अवगत होंगे ।
2. कबीर के दोहों की प्रासंगिकता से परिचित होंगे ।
3. कबीर के पदों को समझ पाएंगे ।
4. कबीर की विद्रोही भावना को समझेंगे ।
5. कबीर के मानवतावादी विचारों से अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

M. A. - I, Hindi, Semester – I
एम.ए.भाग -1 ,हिंदी, प्रथम सत्र
Paper Name: Kabir
DSE- 1.2 प्रश्नपत्र का नाम – कबीर
Credit- Theory 4 Practical 0)
Total Theory Lecture 60

पाठ्यपुस्तक:

1. कबीर – हाजारीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,सन-2008.

अध्यनार्थ विषय

इकाई -I **Credit--1 Lecture 15** Marks - 15

1. संत काव्य परंपरा और कबीर
2. कबीर का व्यक्तित्व
3. संत काव्य की विशेषताएं
4. कबीर के निगुर्ण ईश्वर सबंधी विचार
5. कबीर का रहस्यवाद

इकाई- II 10 पद **Credit--1 Lecture 15** Marks - 15

1. पद क्र 1, 2, 3,8,9,12,13,14,15,20,

इकाई -III 10 पद **Credit--1 Lecture 15** Marks - 15

1.पद क्र. 21,22,23,24,25,26,27,28,30,31

इकाई -**IV 10 पद** **Credit--1 Lecture 15** Marks - 15

1.पद क्र. 32,33,34,35,36,38,39,42,43,44

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न- 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

प्रश्न- 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4) 12 अंक

प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2) 12 अंक

प्रश्न - 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ 12 अंक

प्रश्न - 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

कुल अंक- 60

संदर्भ ग्रंथ

1.कबीर – हाजारीप्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,सन-2008.

2. कबीरवाणी- डॉ भागवतस्वरुप मिश्र, डॉ सरोजनी कुलश्रेष्ठ,विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

३.कबीर ग्रंथावली –डॉ शामसुन्दर दास

४.कबीदास विविध आयाम – संपा . प्रभाकर क्षेत्रीय

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper Sem – II DSE-1.4	Name of the New Paper Sem – II DSE- 1.2
1	कबीर	कबीर

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: RM** **Course Code: M0226-RM-11** **Course Name: Hindi** **Title of Paper:अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया(Research Methodology)**

*Teaching Scheme		*Examination Scheme
Lectures: 60 Hours,04 Credits **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	**UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

मानव विकास के विभिन्न पड़ाव को जब हम देखते हैं तो यह अनुभव करते हैं कि मनुष्य अपने प्रारंभिक अवस्था से जिज्ञासु रहा है । जिसने आदिम अवस्था से आजतक विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए एक विशिष्ट मुकाम प्राप्त किया है । जीवन उपयोगी सभी भौतिक वस्तुओं का संकलन करते हुए निरंतर नये ज्ञान की प्राप्ति वह करता हुआ दिखाई देता है । इन सभी के पीछे उसकी शोध वृत्ति ही प्रमुख रही है । प्रस्तुत प्रश्नपत्र अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया के अन्तर्गत अनुसंधान प्रविधि तथा प्रक्रिया को लेकर विस्तार से अध्ययन किया जा रहा है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1. छात्रों को अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित कराना ।
2. अनुसंधान की पध्दति से परिचित कराते हुए अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।
3. साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराना।
4. अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता से छात्रों को अवगत कराना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. छात्र अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित होंगे ।
2. छात्र अनुसंधान की पध्दति को समझकर अनुसंधान करने हेतु सक्षम होंगे ।
3. छात्र साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत होंगे ।
4. छात्र अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्त्व एवं उसकी उपयोगिता से अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course: M. A. - I Hindi Semester - I

एम. ए. भाग - 1 हिंदी प्रथम सत्र

RM (Research Methodology)

प्रश्नपत्र का नाम :अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

(Credit- -Theory – 4, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 60

अध्यनार्थ विषय:-

इकाई – I **Credit--1 Lecture-15** Marks - 15

1. अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. अनुसंधान का प्रयोजन
3. अनुसंधान के प्रकार (i) साहित्यिक अनुसंधान (ii) साहित्येतर अनुसंधान

इकाई- II **Credit--1 Lecture-15** Marks - 15

1. अनुसंधान की पध्दतियाँ (i) वर्णनात्मक (ii) ऐतिहासिक (iii) तुलनात्मक
2. अनुसंधाता के गुण
3. शोध निर्देशक के गुण

इकाई - III **Credit--1 Lecture-15** Marks - 15

1. अनुसंधान की प्रक्रिया (i)विषय चयन (ii) सामग्री संकलन (iii) सामग्री का विश्लेषण (iv) निष्कर्ष
2. अनुसंधान और संगणक
3. शोध प्रबंध लेखन प्रणाली -शोध प्रबंध शीर्षक, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, टंकण, वर्तनी सुधार

इकाई -IV **Credit--1 Lecture-15** Marks - 15

1. अनुसंधान और आलोचना
2. अनुसंधान और कविता
3. अनुसंधान और कथा साहित्य
4. अनुसंधान और कथेतर साहित्य
5. अनुसंधान और तुलनात्मक साहित्य

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न - 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक
प्रश्न - 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4)	12 अंक
प्रश्न - 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2)	12 अंक
प्रश्न - 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ	12 अंक
प्रश्न - 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर)	12 अंक

कुल अंक- 60

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुसंधान प्रविधि सिध्दांत और प्रक्रिया -
2. शोध प्रविधि- डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. शोध प्रविधि- डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा
4. अनुसंधान विवेचन- डॉ. उदयभानु सिंह
5. साहित्य सिध्दांत और शोध – डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित
6. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा- डॉ. मनमोहन सहगल
7. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका- डॉ. सरनाम सिंह
8. नवीन शोध विज्ञान- डॉ. तिलक सिंह

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper RM SEM-I	Name of the New Paper SEM-I RM
1	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया

M. A. – I Year Hindi Semester – II

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी सत्र - द्वितीय

(Choice Based Credit- System)

सी. बी. सी. एस. प्रणाली के अनुसार

National Education Policy – 2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

शै. वर्ष 2026-27 से

Level	Semester	Code	Title of the Paper	Semester Exam			Credit -	Lecture	Total Com. Credits	Degree
				Theory		Total				
				U.A.	C.A.					
	Second (II)									
	Subject		Major **Mandatory**							
	DSC	5	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	60	40	100	4.00	60		
	DSC	6	भाषा और लिपि	60	40	100	4.00	60		
	DSC	7	संगणकीय हिंदी – व्यावहारिक हिंदी	60	40	100	4.00	60		
2.0	DSC	8	अनुवाद कार्य : विविध आयाम	30	20	50	2.00	30	22.00	PG Diploma (After 3 Yr Degree)
	DSE	2.0	Mandatory Elective (Any One)				4.00	60		
		2.1	पत्रकारिता लेखन : विविध आयाम	60	40	100	4.00	60		
		2.2	कबीर	60	40	100	4.00	60		
	OJT (On Job Training)	OJT	कार्यस्थल प्रशिक्षण	60	40	100	4.00	60		

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – II** **Vertical: DSC-5** **Course Code: M0226-DSC-25** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (नाटक और संस्मरण)**

*Teaching Scheme		*Examination Scheme
Lectures: 60 Hours,04 Credits **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	**UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना /Introduction:-

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य में नाटक और संस्मरण विधाएँ केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति के माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक चेतना के महत्वपूर्ण दस्तावेज भी हैं। नाटक अपनी मंचीयता, संवादधर्मिता और दृश्यात्मकता के कारण समाज के विविध वर्गों, उनके संघर्षों और जीवन यथार्थ को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। वहीं संस्मरण व्यक्ति के अनुभवों के माध्यम से समय, समाज और संस्कृति का आत्मीय तथा विश्वसनीय चित्र प्रस्तुत करते हैं।

हबीब तनवीर का नाटक **आगरा बाज़ार** हिंदी रंगमंच के इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है। यह नाटक पारंपरिक रंगमंच से हटकर लोकधर्मी शैली को अपनाता है, जिसमें बाज़ार, जनजीवन और आम आदमी की भाषा को केंद्र में रखा गया है। नाटक में **नज़ीर अकबराबादी** की काव्य-परंपरा के माध्यम से जन-संस्कृति का सशक्त चित्रण होता है।

ममता कालिया का संस्मरण **जीते जी इलाहाबाद** केवल व्यक्तिगत स्मृतियों का संकलन नहीं है, बल्कि इलाहाबाद (**प्रयागराज)** के साहित्यिक और सांस्कृतिक परिवेश का जीवंत दस्तावेज भी है। इसमें लेखिका ने अपने अनुभवों के माध्यम से उस समय के साहित्यिक वातावरण, लेखकों के जीवन और शहर की सांस्कृतिक पहचान को चित्रित किया है–"इलाहाबाद केवल शहर नहीं, एक जीवित साहित्यिक परंपरा है।" यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को नाटक की रंगमंचीयता और संस्मरण की आत्मीयता के माध्यम से आधुनिक हिंदी साहित्य की विविधता और गहराई को समझने का अवसर प्रदान करता है।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य /Course objective

1. आधुनिक हिंदी नाटक और संस्मरण की प्रकृति एवं विकास को समझाना।
2. लोकधर्मी रंगमंच और उसकी सामाजिक भूमिका का अध्ययन कराना।
3. संस्मरण साहित्य के माध्यम से व्यक्तिगत और सामाजिक अनुभवों का विश्लेषण करना।
4. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना।
5. भाषा, शैली और शिल्प की विविधताओं को समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम /Course Learning Outcomes

1. आधुनिक हिंदी नाटक और संस्मरण की विशेषताओं को स्पष्ट रूप से समझ सकेंगे।
2. **आगरा बाज़ार** की रंगमंचीयता, पात्र और सामाजिक संदर्भों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. **जीते जी इलाहाबाद** के माध्यम से संस्मरण की संरचना और महत्व को समझ सकेंगे।
4. साहित्य और समाज के अंतर्संबंध को पहचान सकेंगे।
5. आलोचनात्मक दृष्टि से साहित्यिक कृतियों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया /Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा ।
3. दृक् श्राव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग ।
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान ।

M. A. - I Hindi Semester - II

एम्. ए. भाग - 1 हिंदी व्दितीय सत्र

DSC – 5 Adhunik Hindi Gadya Sahitya

प्रश्नपत्र का नाम: आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (नाटक और संस्मरण)

(Credit- Theory – 4, Practical - 0)
Total Theory Lecture - 60

पाठयपुस्तकें :-

1. नाटक - आगरा बाज़ार – लेखक: हबीब तनवीर – वाणी प्रकाशन, प्र.सं.1954
2. संस्मरण - जीते जी इलाहाबाद – लेखिका: ममता कालिया – राजकमल प्रकाशन, प्र.सं. 2012

अध्ययनार्थ विषय -

इकाई –I**नाटककार हबीब तनवीर- आगरा बाजार** Credit- 1 Lectures 15

1. हबीब तनवीर: जीवन परिचय
2. हबीब तनवीर: साहित्यिक परिचय

3. नाटक का कथानक
4. नाटक के पात्र एवं चरित्र चित्रण
5. नाटक के संवाद

इकाई – II आगरा बाजार **Credit- 1 Lectures 15**

1. नाटक में रंगमंच और अभिनेयता
2. नाटक में संकलनत्रय
3. लोकधर्मी शैली और जनभाषा
4. नाटक का उद्देश्य एवं शीर्षक की सार्थकता
5. सामाजिक यथार्थ और वर्ग चेतना

इकाई –III **जीते जी इलाहाबाद – ममता कालिया** Credit- 1 Lectures 15

1. ममता कालिया जीवन और साहित्यिक योगदान
2. संस्मरण का साहित्यिक महत्त्व
3. प्रयागराज (इलाहाबाद) का साहित्यिक परिवेश
4. जीते जी इलाहाबाद संस्मरण की संरचनात्मक विशेषताएं
5. जीते जी इलाहाबाद संस्मरण की अंतर्वस्तु

इकाई –IV **जीते जी इलाहाबाद –ममता कालिया** Credit- 1 Lectures 15

1. स्मृति और व्यक्तित्व
2. आत्मीयता, व्यक्तिगत अनुभव और सामाजिक संदर्भ
3. यथार्थवादी दृष्टिकोण या तथ्यात्मकता
4. भाषा, शैली और व्यंग्यात्मकता
5. स्त्री दृष्टि और संवेदनशीलता

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर)-12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

---

60 अंक

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	**Name of the Old Paper Sem – II DSC-5**	**Name of the New Paper Sem – II DSC- 5**
1	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य **(नाटक और संस्मरण)**

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास-डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी निबंध का शैलीगत अध्ययन – डॉ. मु.ब. शहा
3. हिंदी व्यंग्य परंपरा में शंकर पुणतांबेकर का योगदान – डॉ. अनुपमा
4. आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता – डॉ. सत्यवती त्रिपाठी
5. साठोत्तरी हिंदी नाटकों में युगचेतना – डॉ.विजया गाढवे
6. हिंदी नाटक आजतक – डॉ. वीणा गौतम
7. हिंदी नाटक: मिथक और यथार्थ- डॉ.रमेश गौतम
8. www.hindisahitya.com
9. www.bhartiyasahitya.com

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – II** **Vertical: DSC-6** **Course Code: M0226-DSC-26** **Course Name: Hindi** **Title of Paper:** भाषा और लिपि

***Teaching Scheme**		***Examination Scheme**
Lectures: 60 Hours,04 Credits **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from** **June - 2026**	**UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना/ Introduction:-

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है। जिसका उद्‌भव और विस्तार भारत के बहुत बड़े प्रदेशों में हुआ है। हिंदी के अन्तर्गत कुल पांच उपभाषाएँ और सत्रह बोलियाँ है तथा उसकी लिपि देवनागरी है। भारत के सिवा हिंदी विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। इसके चलते हिंदी का वैश्विक रूप सामने आ गया है। हिंदी भाषा और लिपि का गहराई से अध्ययन जरूरी है। जिसकी जानकारी प्रस्तुत पाठ्यक्र से हो जाएगी।

पाठ्यक्रम के उद्‌देश्य / Course objective

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत कराना।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित कराना।
4. देवनागरी लिपि की उत्पति एवं उसकी विशेषताओं से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे ।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार को जान पाएंगे ।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित होंगे ।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से परिचित होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

M. A. - I Hindi Semester - II

एम. ए. भाग - 1 हिंदी **द्वितीय** सत्र

DSC - 6 Paper Name: - Bhasha Aur Lipi

प्रश्नपत्र का नाम: भाषा और लिपि

(Credit- Theory – 4, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 60

अध्ययनार्थ विषय:-

इकाई-I हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि Credit--1 Lecture-15

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ: पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण (हार्नले, ग्रियर्सन (अंतिम वर्गीकरण), सुनीतिकुमार चटर्जी और हरदेव बहारी द्वारा किया गया वर्गीकरण), आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं परिचय

इकाई-II हिंदी का भौगोलिक विस्तार Credit--1 Lecture-15

1. पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ
2. पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ
3. राजस्थानी हिंदी और उसकी बोलियाँ
4. बिहारी हिंदी और उसकी बोलियाँ
5. पहाड़ी हिंदी और उसकी बोलियाँ

इकाई-III हिंदी का भाषिक स्वरूप Credit--1 Lecture-15

1. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था- परिभाषा, निर्धारण, स्वनिम और सहस्वन, (संस्वन) में अंतर
2. स्वनिम के भेद-खंड्य, खंडयेतर
3. हिंदी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, समास

इकाई IV लिपि विज्ञान Credit--1 Lecture-15

1. लिपि का उद्भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि का संक्षिप्त परिचय
2. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
3. देवनागरी लिपि: विशेषताएँ, लिपि में सुधार, लिपि का मानकीकरण

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

अंक 60

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper Sem - II	Name of the New Paper Sem - II
1	भाषा और लिपि	भाषा और लिपि

संदर्भ ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी
5. हिंदी: उद्भव, विकास और रूप- डॉ. हरदेव बाहरी
6. नागरी लिपि और उसकी समस्याएँ- डॉ. नरेश मिश्र
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र- डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – II** **Vertical: DSC-7** **Course Code: M0226-DSC-27** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: व्यावहारिक हिंदी**

*Teaching Scheme		*Examination Scheme
Lectures: 60 Hours,04 Credits OR Practical: 00 Hours, 00 Credit	With effect from June - 2026	UA:- 60 Marks CA:- 40 Marks

प्रस्तावना / Introduction –

व्यावहारिक हिंदी दैनिक जीवन, कामकाज, व्यापार और प्रशासन में प्रयुक्त होनेवाली सरल, स्पष्ट और उद्देशपूर्ण भाषा है। व्यावहारिक हिंदी का प्रयोग सामान्य बोलचाल के साथ – साथ व्यापार, वाणिज्य, पर्यटन, सामाजिक और राजनीतिक व्यवहार, साहित्य आदि में भी किया जाता है। व्यावहारिक हिंदी में कठिन शब्दों या साहित्यिक अलंकरणों का प्रयोग कम होता है। इसका मुख्य उद्देश्य सूचना का आदान – प्रदान और कार्य की सहजता है। व्यावहारिक हिंदी में पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग किया जाता है।

पाठ्यक्रम उद्देश्य / Course Objective

1. छात्रों को भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना।
2. छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की जानकारी देना।
3. छात्रों को टेलीविजन के लेखन से परिचित कराना।
4. छात्रों को मुद्रित माध्यम के सैध्दांतिक पक्ष से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन से छात्र अवगत होंगे ।
2. छात्र अभिव्यक्ति कौशल से अवगत होंगे।

3. छात्र टेलीविजन लेखन से परिचित होंगे।

4. छात्रों को मुद्रित माध्यम के सैध्दांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

शिक्षा अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

4. कथा व्याख्यान

5. सामूहिक चर्चा

6. सेमिनार

7. आंतरिक मूल्यांकन

Name of the course M.A. I Hindi Semester – II

एम.ए.भाग – 1 हिंदी, द्वितीय सत्र

DSC - 7 Paper Name – Vyavharik Hindi

प्रश्नपत्र का नाम – व्यावहारिक हिंदी

(Credit Theory – 4, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 60

<u>अध्ययनार्थ विषय</u> :-

इकाई – I व्यावहारिक हिंदी: लेखन कार्य एवं प्रयोग Credit – 1,Lecture – 15

1. व्यावहारिक हिंदी अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप

2. व्यावहारिक हिंदी के क्षेत्र

3. कथात्मक लेखन : पटकथा, धारावाहिक

4. विभिन्न टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए लेखन

5. लोक व्यवहार की भाषा तथा लेखन साहित्य

इकाई – II व्यावहारिक हिंदी: कौशल विकास Credit – 1,Lecture – 15

1. चित्र या वर्णन के आधार पर विज्ञापन लेखन

2. विषय के आधार पर रिपोर्ताज लेखन

3. संवाद लेखन

4. पुस्तक समीक्षा (उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, कविता)

इकाई –III संपर्क भाषा के रुप में हिंदी के विविध रुप Credit –1,Lecture– 15

1. सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी का प्रयोग (अस्पताल, बाजार, मॉल, मंडी)
2. बाजार / दर्शनीय स्थल / क्रिकेट मैच का अनुभव लेखन
3. बैंको में हिंदी का प्रयोग एवं समस्याएँ
4. बम्बइया हिंदी, कलकातिया हिंदी, हैदराबादी हिंदी, लखनवी हिंदी
5. संपर्क भाषा के रुप में हिंदी महत्व

इकाई – IV वेब जगत में हिंदी Credit – 1,Lecture – 15

1. हिंदी वेब पत्रकारिता का विकास
2. हिंदी के प्रमुख वेब पोर्टल : उपयोग और सीमा
3. इंटरनेट पत्रकारिता : हिंदी की स्थिति और गति
4. इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग और भविष्य
5. इंटरनेट पत्रकारिता की सीमाएँ और चुनौतियाँ

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
2. लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
3. टिप्पणियाँ (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ) (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक
5. दीर्घोत्तरी 01 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) - 12 अंक

---

60 अंक

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper Sem - II	Name of the New Paper Sem - II
1	संगणकीय हिंदी और व्यावहारिक हिंदी	व्यावहारिक हिंदी

संदर्भ ग्रंथ –

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
3. मानक हिंदी का स्वरुप – भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ.दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – I** **Vertical: DSC- 8** **Course Code: M0226-DSC-28** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: अनुवाद कार्य: विविध आयाम**

*Teaching Scheme		*Examination Scheme
Lectures: 30 Hours,02 Credits **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	**UA:-** 30 Marks **CA:-** 20 Marks

प्रस्तावना/ Introduction:-

अनुवाद विज्ञान भी है और कला भी । विश्व भर साहित्य आज अपनी भाषिक सीमा को तोड़कर दूसरी भाषा एवं प्रातों में बडे चाव से पढ़ा जा रहा है । इसमें अनुवाद की अहम भूमिका है । जिसके माध्यम से हम किसी भी भाषा में अभिव्यक्त विचारों को आसानी से पढ़ एवं समझ सकते हैं । ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र से लेकर आध्यात्मिक क्षेत्र में भी अनुवाद के माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान आसानी से हो रहा है । इसका पूरा श्रेय अनुवाद को देना होगा । केवल मानवी अनुवाद ही नहीं बल्कि मशीनी अनुवाद में भी क्रांति हुई है । आप को जो भी जानकारी चाहिए वह एक क्लिक पर अनूदित रूप में मिल जाती है । किंतु इसकी भी अपनी सीमाएँ होती है । इस प्रश्नपत्र में छात्रों को अनुवाद के विभिन्न क्षेत्र की जानकारी के साथ-साथ वर्तमान परिस्थितियों में अनुवाद की स्थिति एवं गति का भी अध्ययन किया जाएगा ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य/ Course objective

1. छात्रों को अनुवाद के विभिन्न आयामों की जानकारी देना ।
2. छात्रों को साहित्यिक अनुवाद और साहित्येत्तर क्षेत्र के अनुवाद से अवगत कराना।
3. छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कार्यालय तथा माध्यम क्षेत्र के अनुवाद के बारें मे जानकारी देना।
4. छात्रों को मशीनी अनुवाद से अवगत कराना ।
5. प्रत्यक्ष रूप में छात्रों से अनुवाद कराना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes:-

1. अनुवाद के विभिन्न आयामों से छात्र परिचित होगें ।
2. साहित्यिक और साहित्येत्तर क्षेत्र के अनुवाद से छात्र अवगत होंगे ।

3. विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कार्यालय तथा माध्यम क्षेत्र के अनुवाद के बारें छात्रों को जानकारी प्राप्त होंगी ।

4. छात्रों को मशीनी अनुवाद की जानकारी प्राप्त होंगी ।

5. छात्र साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद करने में सक्षम होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process:-

1. कक्षा व्याख्यान

2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M. A. - I Hindi Semester - II

एम. ए. भाग - 1 हिंदी द्वितीय सत्र

DSC-8 Paper Name: Anuwad Karya: Vividh Aayam

प्रश्नपत्र का नाम: अनुवाद कार्य : विविध आयाम

(Credit- -Theory – 2, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 30

अध्यनार्थ विषय:-

इकाई - I अनुवाद के प्रकार Credit--1 Lecture 15

अ. साहित्यिक अनुवाद - गद्यानुवाद और पद्यानुवाद

1. गद्यानुवाद - कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

2. पद्यानुवाद - काव्यानुवाद

आ.साहित्येतर अनुवाद

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुवाद

2. प्रशासनिक अनुवाद

3. विधि क्षेत्र में अनुवाद

4. जनंसचार माध्यमों में अनुवाद

इकाई - III मशीनी अनुवाद एवं साहित्येतर अनुवाद कार्य

Credit- - 1 Lecture 15

1. मशीनी अनुवाद : संकल्पना और अवधारणा

2. मशीनी अनुवाद की प्रणालियाँ

3. भारत में प्रचलित मशीनी अनुवाद प्रणालियाँ

4. अनुवाद कार्य: (मराठी या अंग्रेजी भाषा से हिंदी में,हिंदी से अन्य भाषा में)

अ.) साहित्येतर अनुवाद

1. प्रशासनिक पत्रों का अनुवाद

2. समाचार और मीडिया सामग्री का अनुवाद

3. विज्ञापन और तकनीकी सामग्री का अनुवाद

आ.) मशीनी अनुवाद (10 पृष्ठ)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

1. बहुविकल्पी 6 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 अंक)

2. लघुत्तरी प्रश्न (दो या तीन वाक्यों में उत्तर अपेक्षित) (4 में से 2) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (6 अंक)

3. टिप्पणी लिखिए (2 में से 1) (अनुवाद कार्य के लिए परिच्छेद) (6 अंक)

4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से 1) (पूरे पाठ्यक्रम पर) (12 अंक)

अंक -30

Equivalent Subject for Old Syllabus

Sr. No.	Name of the Old Paper DSC-8 SEM-I	Name of the New Paper SEM-I DSC-8
1	मीडिया लेखन	अनुवाद कार्य : विविध आयाम

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवादः सिद्धांत और प्रयोग- जी. गोपिनाथन, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद के भाषिक पक्ष- विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा-डॉ.सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान की भूमिका-कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. अनुवाद की प्रक्रिया तकनिक और समस्याएँ-डॉ.श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – II** **Vertical: DSE-2.1** **Course Code: M0226-DSE-2A** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: पत्रकारिता लेखन : विविध आयाम**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from** **June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना/ Introduction:-

मुद्रण क्षेत्र में जो विकास हुआ है, इसके पीछे का कारण प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार है। जिसने कम समय में मुद्रण की कई प्रतियाँ उपलब्ध करा दी। इसके कारण नये-नये समाचारपत्र निकलने लगे। हिंदी भाषा में भी कई सारे पत्र-पत्रिकाएँ निकलने लगी। मुद्रित माध्यम के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का भी आविष्कार हुआ, जिसमें रेडियो और दूरदर्शन प्रमुख है। इस पाठ्यक्रम में प्रिंट पत्रकारिता से लेकर रेडियो, दूरदर्शन के साथ सूचना और मानवाधिकार जैसे कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course objective

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ में जानकारी देना।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस, कानून के बारे में जानना ।
3. हिंदी के प्रमुख समाचारपत्र एवं पत्रिकाओं से अवगत कराना।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से परिचित कराना।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना और मानवाधिकार से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम/ Course Learning Outcomes

1. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला के संदर्भ में छात्र जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. मुक्त प्रेस, प्रसार भारती, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस, कानून के बारे में छात्र जानकारी प्राप्त करेंगे।

3. हिंदी के प्रमुख समाचारपत्र एवं पत्रिकाओं से छात्र अवगत होंगे।
4. रेडियो तथा दूरदर्शन इन माध्यमों से छात्र परिचित होंगे।
5. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचना और मानवाधिकार से छात्र अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान
2. सामूहिक चर्चा

Name of the Course M. A. - I Hindi Semester - II

एम.ए.भाग - 1 हिंदी द्वितीय सत्र

DSE–2.1 Paper Name:- Patrakarita Lekahn : Vividh Ayam

प्रश्नपत्र का नाम : पत्रकारिता लेखन : विविध आयाम

(Credit- Theory – 4, Practical - 0)

Total Theory Lecture - 60

अध्ययनार्थ विषयः- Weightage / बल

इकाई । मुद्रित माध्यम स्वरूप एवं महत्त्व **Credit-1 Lecture 15**

1. प्रिंट पत्रकारिता का उद्भव और विकास
2. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आऊट, पृष्ठ सज्जा
3. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

इकाई ।। प्रेस की अवधारणा और हिंदी पत्रकारित **Credit-1 Lecture 15**

1. मुक्तप्रेस की अवधारणा, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी
2. प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता
3. हिंदी के प्रमुख समाचारपत्र एवं पत्रिकाएँ

इकाई- III पत्रकारिता के विविध आयाम **Credit-1 Lecture 15**

1. पत्रकारिता का प्रबंधन
2. प्रशासनिक व्यवस्था
3. बिक्री तथा वितरण व्यवस्था
4. पत्रकारों के विभिन्न संगठन

इकाई- IV इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता और सूचना अधिकार **Credit-1 Lecture 15**

1. रेडियो और दूरदर्शन की माध्यमगत विशेषताएँ एवं सीमाएँ
2. रेडियो तथा दूरदर्शन चैनलों का सामान्य प्रस्तावना
3. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न- 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

प्रश्न- 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4) 12 अंक

प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2) 12 अंक

प्रश्न - 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ 12 अंक

प्रश्न - 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

कुल अंक- 60

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper Sem – II DSE-2.2	Name of the New Paper Sem – II 2.1
1	पत्रकारिता लेखन: विविध आयाम	पत्रकारिता लेखन: विविध आयाम

संदर्भ ग्रंथ:

1. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्र-कृष्णविहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी पत्रकारिता का बृहत इतिहास अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन पत्रकारिता मूल्यांकन और मुद्दे -राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ डॉ .विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार -डॉ .ठाकुरदत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ।। विद्यया संपन्नता ।। NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester – II** **Vertical: DSE-2.2** **Course Code: M0226-DSE-2A** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: कबीर**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना/ Introduction

कबीरदास प्रगतिशील चेतना से युक्त एवं विद्रोही कवि थे। उनका व्यक्तित्व क्रांतिकारी था। धर्म और समाज के क्षेत्र में व्याप्त पाखंड कुरीतियों रूढ़ियों एवं अंधविश्वासों की उन्होंने खूब आलोचना की और ऊँच-नीच , छुआ-छुत जैसी सामजिक बुराइओं को दूर करने के लिए महत प्रयास किया था । कबीर ब्रह्म से शुरू होकर जीव तक जाते हैं या जीव से शुरू होकर ब्रह्म तक यह कहना कठिन है। लेकिन उनके काव्य में ब्रह्म, जीव और जगत के बीच पारस्परिक दौड़ बहुत अधिक है। कबीर का जीव माया रहित होकर ही ब्रह्म हो जाता है। जगत भी जीव और ब्रह्म से पृथक सत्ता नहीं है। संत कबीर ने अनुभूति को अपनी भाषा और शैली में व्यक्त किया । अत: कबीर विचारों का सूक्ष्म अध्ययन प्रस्तुत पाठ्यक्रम में होगा ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य / Course objective

1. कबीर के सामजिक विचारों से अवगत कराना।
2. कबीर के धार्मिक विचारों से परिचित कराना।
3. कबीर के दार्शनिक विचारों एवं विद्रोही भावना को समझाना।
4. कबीर भाषा एवं शैली समझाना।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम/ Course Learning Outcomes

1. कबीर के सामाजिक विचारों से अवगत होंगे ।

2. कबीर के धार्मिक विचारों से परिचित होंगे ।

3. कबीर के दार्शनिक विचारों एवं विद्रोही भावना को समझ पाएंगे ।

4. कबीर की भाषा एवं शैली से अवगत होंगे ।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया/ Teaching Learning Process

1. कक्षा व्याख्यान

2. सामूहिक चर्चा

M. A. - I Hindi Semester – II

एम्. ए. भाग - 1 हिंदी द्वितीय सत्र

DSE 2.2 Sahityik Varg: Kabir

(Credit- Theory 4 Practical 0)

प्रप्रश्नपत्र का नाम: साहित्यिक वर्ग: कबीर

Total Theory Lecture 60

अध्ययनार्थ विषय-

पाठ्यपुस्तक: कबीर – हाजरीप्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,सन-2008.

इकाई -I Credit--1 Lecture 15

1. कबीर का कृतित्व

2. कबीर के राम

3. कबीर के दार्शनिक विचार- ब्रह्म, जीव, जगत, माया, मोक्ष

4.कबीर की विद्रोही भावना

5. कबीर की भाषा एवं शैली

इकाई -**II** १० पद **Credit--1 Lecture 15**

पद क्र. 101,102,103,104,105,106,107,108,109,110

इकाई- **III** १० पद **Credit--1 Lecture 15**

पद क्र. 111,112,113,114,115,116,117,118,119,120,

इकाई- **IV** १० पद **Credit--1 Lecture 15**

पद क्र. 149,152,153,155,158,162,163,169,170,176

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न- 1. बहुविकल्पी 12 प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

प्रश्न- 2. लघुत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) (6 में से 4) 12 अंक

प्रश्न 3. टिप्पणियाँ (पूरे पाठ्यक्रमपर) (4 में से 2) 12 अंक

प्रश्न - 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) अंतर्गत विकल्प के साथ 12 अंक

प्रश्न - 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (पूरे पाठ्यक्रमपर) 12 अंक

कुल अंक- 60

Equivalent Subject of old Syllabus -

Sr.No	Name of the Old Paper Sem – II DSE-2.4	Name of the New Paper Sem – II DSE-2.2
1	कबीर	कबीर

संदर्भ ग्रंथ

1.कबीर – हाजारीप्रसाद द्विवेदी,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,सन-200८.

2. कबीरवाणी- डॉ भागवतस्वरुप मिश्र, डॉ सरोजनी कुलश्रेष्ठ, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा

३.कबीर ग्रंथावली –डॉ शामसुन्दर दास

४.कबीदास विविध आयाम – संपा . प्रभाकर क्षेत्रीय

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापूर विद्यापीठ ॥ विद्यया संपन्नता ॥ NAAC Accredited-2022 'B++' Grade (CGPA-2.96)	**Punyashlok Ahilyadevi Holkar Solapur University, Solapur** **M. A. - I Hindi Semester - II** **Vertical: OJT** **Course Code: M0226-OJT-21** **Course Name: Hindi** **Title of Paper: कार्यस्थल प्रशिक्षण OJT (On Job Training)**

***Teaching Scheme** **Lectures: 60 Hours,04 Credits** **OR** **Practical: 00 Hours, 00 Credit**	**With effect from June - 2026**	***Examination Scheme** **UA:-** 60 Marks **CA:-** 40 Marks

प्रस्तावना / **Introduction:-**

छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक पक्ष का प्रत्यक्ष ज्ञान होना आवश्यक है । इसिलिए हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण देना जरुरी है । जनसंचार माध्यमों में छात्रों की भाषिक कुशलता आज की आवश्यकता है, हिंदी के छात्रों में इसी कौशल वृद्धि हेतु इन माध्यमों में प्रशिक्षण देना भी अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ - साथ साक्षात्कार, विज्ञापन, भाषिक सर्वेक्षण आदि के प्रत्यक्ष प्रशिक्षण से छात्र लाभान्वित करने की दृष्ठि से पाठ्यक्रम बनाने का प्रयास किया है ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य / Course Objective

1. छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक रूप से परिचित करना ।
2. छात्रों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी से परिचित करना।
3. छात्रों में भाषिक कौशल विकसित करना ।
4. सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति से छात्रों को अवगत करना ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम / Course Learning Outcomes

1. छात्र हिंदी के व्यावहारिक रूप से परिचित होंगे।
2. छात्रों जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी से परिचित होंगे।
3. छात्रों में भाषिक कौशल विकसित होंगे।

4. सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति से छात्र अवगत होंगे।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया / Teaching Learning Process

1.प्रशिक्षण
2. अभ्यास
3.सर्वेक्षण
4.साक्षात्कार
5.क्षेत्रीय भेंट

Name of the Course M. A. - I Hindi Semester - II

एम. ए. भाग - 1 हिंदी द्वितीय सत्र

Paper Name: - OJT (On job Training)

प्रश्नपत्र का नाम: कार्यस्थल प्रशिक्षण

(Credit- Theory – 0, Credit- Practical – 4)

Total Practical work - 60

सूचनाएँ -

1.छात्रों को OJT **(**On job Training**)** किसी एक संस्था में कार्य पूरा कराना है।

2.छात्रों को प्रशिक्षण पूरा करके सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा ।

3.प्रशिक्षण का समय कम से कम 1 माह (लगभग **120** घंटे) होना आनिवार्य है।

4.जो छात्र कार्यस्थल प्रशिक्षण कार्य पूरा नहीं करेगा वह इस प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण होगा।

OJT/ on Job Training /**अंत:कार्य प्रशिक्षण /काम के दौरान प्रशिक्षण**

हिंदी विषय के छात्रों के लिए ऑन-जॉब ट्रेनिंग में निम्नलिखित चीजें शामिल की जा सकती हैं:-

1. किसी भी शिक्षा संस्थान में अध्यापन का 1 माह (लगभग **120** घंटे) प्रशिक्षण पूरा कर सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए अध्यापन के टिप्पण संस्था द्वारा प्रमाणित करके प्रस्तुत करे ।

2. समाचारपत्र कार्यालय या प्रेस में 1 माह (लगभग **120** घंटे) प्रशिक्षण पूरा कर सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।

3. स्थानीय साप्ताहिक में 1 माह (लगभग **120** घंटे) प्रशिक्षण पूरा कर सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।

4. बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल कार्यालय, दूरसंचार विभाग ,जीवन बिमा निगम,आकाशवाणी ,एफ.एम रेडियो स्टेशन ,विज्ञापन एजेंसी ,साहित्यिक पत्रिका के कार्यालय ,प्रसिद्ध पुस्तक प्रकाशक, एन.टी.पी.सी.कार्यालय , राजभाषा विभाग में 1 माह (लगभग **120** घंटे) प्रशिक्षण पूरा करके सबंधित संस्था का प्रमाणपत्र एवं किए कार्य का लघु प्रबंध अपने महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।

मूल्यांकन पद्धति) Evaluation Method)

मूल्यांकन	**CA अंक**	**UA**
उपस्थिति और सहभागिता एवं संस्थान से प्रमाणपत्र	10	
प्रशिक्षण डायरी / रिपोर्ट	10	20
व्यावहारिक कार्य परिक्षण	20	20
मौखिक परीक्षा	00	20
कुल 100 अंक	**40**	**60**

बाह्य परीक्षक द्वारा (External Examiner) मूल्यांकन हो।